

एनर्जी सेविंग |

इंदौर क्लाइमेट मिशन के बीच हमने कुछ संस्थानों और स्टार्टअप द्वारा किए जा रहे कार्य जाने

# स्टेप टू ग्रीन एनर्जी : हाइड्रोजन से छोटे व्हीकल चलाने पर रिसर्च, IIT कम एनर्जी वाले इक्विपमेंट बना रहा

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

सोलर मैन कहे जाने वाले आईआईटी के प्रो. चेतन सोलंकी इन दिनों शहर में हैं। वे नगर निगम और उनके स्वराज फाउंडेशन के तहत 100 दिनी इंदौर क्लाइमेट मिशन चला रहे हैं। इसका उद्देश्य बिजली की खपत 10% तक घटाने के साथ 5 लाख लोगों को एनर्जी सेविंग के लिए जागरूक करना है। हमने शहर में ग्रीन एनर्जी पर काम कर रहे ऐसे ही कुछ संस्थान और स्टार्टअप की कोशिशों को जाना।

## 30 रुपए में 100 किमी का सफर

शहर में ग्रीन एनर्जी पर काम करने वाले स्टार्टअप की संख्या 25 हो गई है। इनमें करीब 100 करोड़ रुपए निवेश हुए हैं। कुछ और स्टार्टअप एक साल में सामने आ जाएंगे। इसमें से एक एसजीएसआईटीएस में देखने को मिलेगा। यहां स्टार्टअप-इंक्यूबेशन फोरम में हाइड्रोजन फ्यूल पर काम हो रहा है। विभिन्न इंडस्ट्रीज से टाईअप कर हाइड्रोजन का उत्पादन कैसे बढ़ाया जाए और इस फ्यूल से छोटे वाहन व मशीनरी कैसे चलाएं, इस पर रिसर्च जारी है। इसके परिणाम सामने आने के बाद संस्थान इसे पेटेंट के लिए अप्लाई करेगा। शहर में एनर्जी बचाने के लिए ऐसा एयर कंडीशनर (एसी) तैयार किया गया है, जिससे बिजली की खपत 80% कम होती है। देशभर के शहरों के साथ नाइजीरिया और अन्य देशों में भी इसकी डिमांड है। वायु इंडिया स्टार्टअप ने इस इनोवेशन के लिए पेटेंट प्राप्त किया है।

## ई- व्हीकल के लिए हाथोहाथ चार्ज बैटरी उपलब्ध करा रहे



कार्बन का उत्सर्जन कम हो इसके लिए ईवी ऊर्जा स्टार्टअप ने बैटरी चार्जिंग स्टेशन तैयार किए हैं। इंदौर सहित देशभर के विभिन्न शहरों में स्टेशन हैं। बैटरी स्विपिंग से बिना समय गंवाए हाथों हाथ चार्ज बैटरी उपलब्ध कराने वाले युवाओं की टीम आईआईएम अहमदाबाद के सहयोग से एआईसीटीएसएल के इंक्यूबेशन में काम कर रही है। इसमें 30 रुपए के खर्च में व्हीकल को 70 से 100 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। स्टार्टअप के फाउंडर संयोग तिवारी का कहना है कि सबसे ज्यादा कार्बन व्हीकल के प्रदूषण से हो रहा है। शहर में 25 हजार से ज्यादा टू और फोर ई व्हीकल हैं।

## यह कोशिश भी है जारी

शहर में 5400 से ज्यादा घरों में सोलर लगाए गए हैं। अगले कुछ वर्षों में यह संख्या 1 लाख के पार चले जाएगी। एसजीएसआईटीएस में 100 और 60 किलोवाट के दो सोलर प्लांट हैं। इससे हर महीने दो से ढाई लाख की बिजली की बचत की जा रही है। केशर पर्वत पर 5 लाख रुपए से सोलर प्लांट लगाया गया है। हर महीने 7 से 8 हजार रुपए बिल आता था, अब 1 से 2 हजार आ रहा है। आईआईएम में सोलर प्लांट से हर साल 50 लाख रुपए की बच रही है। होस्टल, मैस, लाइब्रेरी, गार्डन और कक्षाएं सभी जगहों को अब पूरी तरह सोलर से जोड़ा गया है।

## सोलर एनर्जी से चलने वाले उपकरण बना रहे

आईआईटी इंदौर में कम्प्यूटर हार्डवेयर में लगने वाले सेमीकंडक्टर को कम से कम एनर्जी पर काम करने लायक बनाया जा रहा है। मकसद यही है कि कम एनर्जी में इलेक्ट्रॉनिक्स इक्विपमेंट चल सके। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर गर्म भी कम होंगे और लाइफ भी बढ़ेगी। प्रो. संतोष विश्वकर्मा का कहना है कि पूरे देश में कार्बन उत्सर्जन कम करना चुनौती है। सुरक्षित भविष्य के लिए यह जरूरी हो गया है। आईआईटी में जितनी भी रिसर्च हो रही है उसमें इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है कि कम से कम एनर्जी में इक्विपमेंट काम करें। हमने चार से पांच सेमीकंडक्टर कम एनर्जी में चलने वाले बनाए हैं। इन्हें अंतरिक्ष के स्थापित होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में भी उपयोग किया जा सकता है।